

Guru Nanak College Dhanbad **TEEYAN DA MELA**

Today, on 24th August 2024, at 4 pm, 'Teeyan Da Mela' program was organized in S.J.S Grewal Auditorium of Guru Nanak College, Dhanbad. This is the cultural heritage of Punjab, which is celebrated with great enthusiasm by women from the third day of Shukla Paksha in the month of Sawan to the full moon of Sawan (about 13 days). Women go to their maternal homes to participate in the festival. The program was formally inaugurated by Sardar R S Chahal, Chairman of the Governing Body of the college. In his address, Sardar R S Chahal threw detailed light on the importance of such cultural programs and described Indian culture as superior. Praising the program wholeheartedly, he encouraged the children and advised them to continue organizing such programs in the future so that it can establish its cultural supremacy in the entire world. College Principal Dr. Sanjay Prasad in his address called India a country of cultural heritage, whose footsteps the whole world aspires to follow.

On this occasion, Debjani Biswas (Former DSW), Binod Bihari Mahato Koylanchal University and Tapti Bhattacharya (Cultural In-charge) Binod Bihari Mahato Koylanchal University were present with honour. On this occasion, the students of creativity department of the college performed Soniya Desha (group song), Multan (group dance), Mehndi (group dance), Juti (song), Allah Hu (song), Allah De (song), Tappe and Jaago Gidda and Colorful programs were staged.

The entire outline of this cultural program was given by the Chairman of the Governing Body of our college, Sardar R.S Chahal . Therefore, the entire credit for its successful operation goes to our President, it is the result of his initiative that we all can benefit from cultural programs like Teeyan Da Mela.

This cultural evening was graced by the dignified presence of the teachers and non-teaching staff of the college along with the members of the Governing Body of Guru Nanak College, Dhanbad.















News Clips

गुरुनानक कॉलेज में + तियां दा मेला की धूम



गुरुनानक कॉलेज में कार्यक्रम के दौरान गीत प्रस्तुत करते छात्र-छात्राएं।

कार्यक्रम

धनबाद, मुख्य संवाददाता। गुरुनानक कॉलेज में शनिवार को तियां दा मेला कार्यक्रम की धूम रही। यह पंजाब की सांस्कृतिक धरोहर है।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कॉलेज शासी निकाय अध्यक्ष आरएस चहल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए भारतीय संस्कृति को श्रेष्ठ बताया।

सावन महीने में शुक्ल पक्ष के तीसरे दिन से लेकर सावन पूर्णिमा (लगभग 13 दिन) तक महिलाओं की ओर से यह आयोजन किया जाता है। महिलाएं उत्सव में भाग लेने के लिए अपने मायके जाती हैं।

प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने भारत को सांस्कृतिक विरासत का देश कहा। उन्होंने बताया कि सोनियां देशा (समूह गीत), मुल्तान (समूह नृत्य), मेहंदी समूह नृत्य, अल्लाह हू गीत, टप्पे और जागो गिदा कार्यक्रम का मंचन किया।

गुरु नानक कॉलेज में "तियां दा मेला" सांस्कृतिक संध्या-2024 का आयोजन



धनबाद. गुरु नानक कॉलेज में शुक्रवार को "तियां दा मेला" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह पंजाब की सांस्कृतिक धरोहर है, जिसे सावन माह के शुक्ल पक्ष के तीसरे दिन से लेकर सावन की पूर्णिमा (13 दिन) तक महिलाओं द्वारा मनाया जाता है। इस उत्सव महिलाएं भाग लेने अपने मायके जाती हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन कॉलेज के शासी निकाय अध्यक्ष सरदार आरएस चहल ने किया।

मौके पर प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद, विवि की पूर्व डीएसडब्ल्यू डॉ देवजानी विश्वास, विवि की आर्ट्स कल्चरल विभाग की हेड डॉ ताप्ती चक्रवर्ती उपस्थित थी। इस दौरान कॉलेज के छात्र-छात्राओं सोनियां देशा (समूह गीत), मुल्तान (समूह नृत्य), मेहंदी (समूह नृत्य), जूती (गीत), अल्लाह हू (गीत), अल्लाह दे (गीत), टप्पे और जागो गिदा आदि रंगारंग कार्यक्रम का मंचन किया।

Hindustan

Dated :- 25-08-2024

Prabhat Khabar
Dated :- 25-08-2024.